शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बरुआ) : (क) और (ख). जी नहीं। तथापि भारत सरकार ने छठी योजना अवधि में प्रारम्भिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण और प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों को शैक्षिक आयोजना के कोर क्षेत्र मे रखा है। इन कार्यक्रमो के कार्यान्वियन के फलस्वरूप प्रशिक्षित शिक्षको की एक बडी सख्या को रोजगार मिलने की आशा की जाती है।

Extension of Bank Loans to Agricultural programmes in West Bengal

3606. SHRI AMAR ROYPRADHAN: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that most of the Agricultural programmes meant for small and marginal farmers through the Small Farmers' Development Agency could not be finalised in West Bengal specially in Border areas of Bangladesh due to unhelpful attitude of the nationalised Banks to extend loans; and

(b) if so, what steps have been taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (b). No, Sir. Both the cooperative credit institutions and commercial banks are expected to provide institutional credit support for the programmes of small and marginal farmers. Specific difficulties which are felt in obtaining institutional credit are discussed at the district level coordination committee meetings and at the State level coordination committee meetings to find solutions for the problems.

उत्तर प्रदेश के कीड़े लगे हुए अमरूद के बागों के लिये केन्द्रीय सहायता

3607. **श्री दयाराम शाक्य**: क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि।

(क) क्या सरकार को पता है कि उत्तर प्रदेश के अमरूद के बागों में ऐसा कीडा लगा है कि उसका पता लगाने में वहां के वैज्ञानिक भी असफल हो गये हैं जिसके परिणामस्वरूप आगामी वर्ष देश की मंडियों में अमरूद उपलब्ध नही होगा; और

(ख) यदि हा, तो इस बारे में केन्द्रीय सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीतसिंह बरनाला) : (क) और (ख). उत्तर प्रदेश में अमरूद के बागो को कोडे से होने वाली किसी भारी हानि के बारे में पता नहीं चला है। परन्तु, मुरझान रोग वहा देखा गया है जिसके लिए अभी तक रासायनिक नियत्रण के उपाय नहीं खोजे जा सके है। राज्य मे मुरझान रोग के नियत्रण के परीक्षण किए जा रहे है। तथापि, यह रोग उतना खतरनाक नही है कि आगामी वर्ष मडियों मे अमरूद उपलब्ध ही न हो सके।

भारतीय खाद्य निगम द्वारा स्टाक की बिक्री

3608. **श्री लक्ष्मी नारायण नायक**: क्या कृषि और सिंचाई मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय खाद्य निगम द्वारा 28 फरवरी, 1978 तक राज्यो को बिक्री के लिये आवटित किये गये गेहूं का ब्यौरा क्या है और वह किस किस तारीख को आवटित किया गया, और

(ख) वर्ष 1975, 1976 और 1977 में अलग अलग कितने टन गेहूं खराब हो गया?